Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा - सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-3 'कुछ भारतीय त्योहार')
लेखक - मोहन दास करमचंद गांधी

पुस्तक - नवतरंग - 7

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

पाठ-3 'कुछ भारतीय त्योहार' कक्षा-7 की पाठ्य पुस्तक नवतरंग-7 के पृष्ठ-17 पर दिया गया है। इस पाठ का कार्य आपको 20.5.24 को भेजा जा रहा है।

यह पाठ-'कुछ भारतीय त्योहार' महात्मा गांधी द्वारा रचित है। इस पाठ में उन्होंने भारत के प्रसिद्ध त्योहार दीवाली और होली के बारे में वर्णन किया है। लेखक के अनुसार त्योहारों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। त्योहार हमारे जीवन शैली और विचारों को बहुत प्रभावित करते हैं। दीवाली और उससे जुड़े त्योहार देश में हज़ारों सालों से मनाए जा रहे हैं। आज से लगभग सवा सौ साल पहले भारत के गुजरात राज्य में दीवाली का त्योहार कैसे मनाया जाता था, इस पाठ में हम पढ़ेंगे।

सामान्यतः दीवाली का त्योहार नवंबर महीने में पड़ता है। यह सामाजिक त्योहार भी है और धार्मिक भी और लगभग एक माह तक चलता है। आश्विन मास का प्रथम दिन इस भव्य त्योहार के आगमन का सूचक होता है। इस त्योहार से पहले नौ दिनों का त्योहार आता है। इन नौ दिनों को नवरात्रि कहा जाता है। ये नौ दिन गरबा के लिए विशेष उल्लेखनीय है। गरबा के लिए बीस-तीस



Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

20.5.24

Dt.
Pg. 2 B+

कक्षा- सातवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-3 'कुछ भारतीय त्योहार')

---

या इससे भी ज़्यादा लोग एक घेरा बनाते हैं। बीच में एक बड़ा दीप-स्तंभ रखा जाता है। बीच में ढोलक लिए हुए एक आदमी भी बैठता है। वह कोई लोकगीत गाता है। घेरे के लोग ताल दे-देकर उस गीत को दुहराते हैं। गाते-गाते और झूम-झूमकर नाचते हुए वे दीपक की परिक्रमा करते हैं। इनको सुनने में अक्सर बड़ा आनंद आता है।

कुछ परिवारों में अर्ध-उपवास की प्रथा होती है। अर्ध-उपवास में परिवार के एक सदस्य का उपवास कर लेना काफ़ी होता है। उपवास करने वाला केवल एक बार और वह भी शाम को भोजन करता है। इसके अलावा उसके लिए गेहूँ, बाज़ार, दाल आदि अनाज खाना वर्जित होता है। उसका आहार फल, दूध और आलू आदि जैसे कंदों तक ही सीमित रहता है।

नवरात्रि के नौ दिन के बाद दसवाँ दिन 'दशहरा' कहलाता है। इस दिन मित्र आपस में मिलते हैं और एक-दूसरे को दावत करते हैं। मित्रों और बड़े लोगों को भेंट में मिठाई भेजने की भी प्रथा है। दशहरा के दिन को दौड़कर मनोरंजन के सारे कार्यक्रम रात में होते हैं। दिन के समय दैनिक जीवन के साधारण काम-धंधे किए जाते हैं। दशहरा के बाद लगभग एक पखवारे तक अपेक्षाकृत शांति रहती है।

इस प्रकार हम कार्तिक मास की कृष्ण तेरस पर पहुँचते हैं। (भारत में प्रत्येक मास के दो पक्ष होते हैं- कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष। इनका प्रारंभ पूर्णिमा और अमावस्या से होता है। पूर्णिमा के बाद का दिन कृष्णपक्ष

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

Dt 20.5.24
Pg 3

कक्षा - सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-3 'कुछ भारतीय त्योहार')

का पहला दिन होता है। इसी तरह दूसरे, तीसरे आदि पंद्रहवे दिन तक की गिनती की जाती है) तेरहवाँ दिन और उसके बाद के तीन दिन पूरी तरह से उत्सव में मनाएजाते हैं बिताए जाते हैं। तेरहवें दिन को 'धन तेरस' कहा जाता है, जिसका अर्थ है - धन की देवी लक्ष्मी पूजन के लिए निश्चित किया हुआ तेरहवाँ दिन। चौदहवें दिन लोग तड़के उठते हैं और आलसी से आलसी आदमी को भी अच्छी तरह स्नान करना पड़ता है। माँ अपने छोटे-छोटे बच्चों को भी स्नान करने के लिए बाध्य करती हैं, हाँलाकि वह मौसम ठंड का होता है और यह लीजिए, अब पंद्रहवें दिन का प्रातःकाल ठीक दीवाली का दिन आ पहुँचा।

बच्चो, 'धनतेरस' पर धन की देवी लक्ष्मी की पूजा की जाती है। चौदहवाँ दिन 'नरक चौदस' के रूप में मनाया जाता है। इस दिन स्नान करके अपना नरक उतारते हैं। पंद्रहवाँ दिन दीवाली का होता है, जिसे सम्पूर्ण भारत में बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है। दीवाली पर हर व्यक्ति अपनी सामर्थ्य अनुसार खर्चा करता है। अमावस्या की अंधेरी रात में संपूर्ण भारत जगमगाती रोशनी से नहाया नज़र आता है।

सब बच्चे लक्ष्मी जी के पूजन के बाद पटाखे चलाने के लिए भागते हैं।

आज बच्चो! इस पाठ को हम यहीं समाप्त करते हैं। पाठ का अगला भाग हम अगले हफ्ते पढ़ेंगे।

गृहकार्य:- सब बच्चे पाठ को पढ़ेंगे व समझेंगे। पृष्ठ-21 पर दिए शब्दार्थ अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

(अन्तिम पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner